मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 17 ■ रविवार 22 मार्च 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play · GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play · Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
रश्मिका मंदाना को बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड

‘रीजेंसी प्लाजा’ फिर मनपा के रडार पर

अवैध निर्माण 31 हजार वर्गफुट अवैध निर्माण के लिए उल्हासनगर प्रशासन का नोटिस

उल्हासनगर. उल्हासनगर का मशहूर ‘रीजेंसी प्लाजा’ प्रोजेक्ट एक बार फिर विवादों में आ गया है और 30 हजार वर्गफुट से ज़्यादा अनधिकृत निर्माण सामने आने से ऐसा लग रहा है कि मनपा के पास हथौड़ा और बुलडोजर से कार्रवाई करने के अलावा कोई चारा नहीं है. टाउन प्लानिंग डिपार्टमेंट के नोटिस के बाद इस प्रोजेक्ट पर सीधे तोड़-फोड़ की तलवार लटकने लगी है, जिससे शहर में काफी हलचल मची हुई है.

उल्हासनगर मनपा सीमा के अंदर कैंप नंबर 3, शांतिनगर इलाके में बना भव्य कमर्शियल प्रोजेक्ट ‘रीजेंसी प्लाजा’ एक बार फिर अनियमितताओं के कारण चर्चा में आ गया है. शहर के एक प्रतिष्ठित कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के तौर पर मशहूर इस प्रोजेक्ट में बड़े पैमाने पर अनधिकृत निर्माण होने की बात सामने आने के बाद मनपा के टाउन प्लानिंग डिपार्टमेंट ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है. मनपा के सहायक संचालक (नगर रचना) विकास बिरारी ने डेवलपर जवाहर सभादासानी को नोटिस जारी कर सात दिनों के अंदर ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ सफाई देने का आदेश दिया है। इस नोटिस में करीब 2943.70 स्क्वेयर मीटर यानी करीब 31,685 स्क्वेयर फीट एरिया में बिना इजाज़त कंस्ट्रक्शन का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा, बिना इजाज़त हॉल बनाने, उसे होटल की तरह इस्तेमाल करने और मंज़ूर प्लान से अलग तरीके से बनाने के गंभीर आरोप सामने आए हैं।

प्रशासन की कार्रवाई पर सवालिया निशान

मनपा ने प्रोजेक्ट में बिना इजाज़त बने हॉल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की थी। लेकिन, यह बात सामने आई है कि कुछ ही दिनों में उसे फिर से बना लिया गया, जिससे प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। इस बैकग्राउंड में, सोशल एक्टिविस्ट और प्रहार जनशक्ति पार्टी के ठाणे डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट एडवोकेट स्वप्निल पाटिल की शिकायत के बाद यह मामला फिर से चर्चा में आ गया। नगर निगम अधिकारियों की जानकारी के अनुसार, जमा किए गए प्लान में कई टेक्निकल गलतियां पाई गईं और UDCPR नियमों के अनुसार ज़रूरी पार्किंग का इंतज़ाम नहीं किया गया है। इसलिए, संबंधित प्रस्ताव को रिजेक्ट कर दिया गया है और बिना इजाज़त के कंस्ट्रक्शन के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। जांच के दौरान संबंधित एरिया को सील करने और उसका इस्तेमाल रोकने के भी आदेश दिए गए हैं।

डंपिंग ग्राउंड का धुआं बना खतरनाक

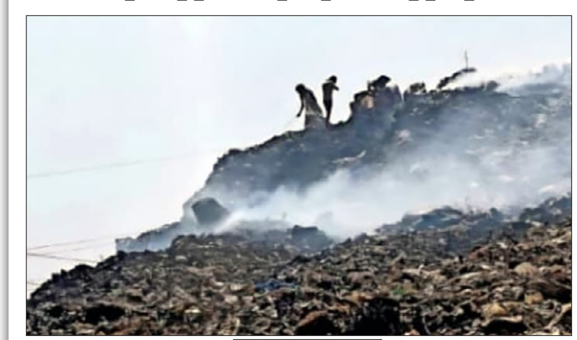

■ **डॉक्टरों ने स्वामी देव प्रकाश महाराज को शहर से दूर रहने की दी सलाह**

उल्हासनगर. सिंधी समुदाय के पूज्य संत और देश-विदेश में 56 स्वामी शांतिप्रकाश आश्रमों के प्रमुख स्वामी देव प्रकाश महाराज (88) को डॉक्टरों ने फिलहाल उल्हासनगर से दूर रहने की सलाह दी है, जिससे शहर में भक्तों में चिंता का माहौल है। उन्होंने कुछ समय के लिए उल्हासनगर आने से परहेज किया है क्योंकि मेडिकल एक्सपर्ट्स ने साफ किया है कि उल्हासनगर कैंप-5 में डंपिंग ग्राउंड से बढ़ते प्रदूषण से उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

सिंधी समुदाय के पूज्य संत माने जाने वाले स्वामी देव प्रकाश महाराज, स्वामी शांतिप्रकाश आश्रम परंपरा के प्रमुख हैं और उनके मार्गदर्शन में देश-विदेश में 56 आश्रम चल रहे हैं।

आध्यात्मिकता, सेवा और समाज कल्याण में अपने कामों की वजह से सिंधी समुदाय में उनका खास सम्मान है। हालांकि, हाल के दिनों में डॉक्टरों ने उन्हें अपनी सेहत का खास ध्यान रखने की सलाह दी है। इससे पहले स्वामी देव प्रकाश महाराज का लीलावती हॉस्पिटल में इलाज हुआ था। वे अभी चेंबूर में एक सेवाधारी के घर पर हैं और वहीं उनकी ठीक से देखभाल की जा रही है।

सिंधी समुदाय में चिंता का माहौल

जैसे ही यह खबर सामने आई कि स्वामी देव प्रकाश महाराज उल्हासनगर नहीं आ रहे हैं, सिंधी समुदाय में चिंता का माहौल बन गया है। पार्षद शेरी लुंड ने बताया भक्त उनके जल्दी ठीक होने की प्रार्थना कर रहे हैं और उम्मीद है कि वे जल्द ही शहर वापस आकर भक्तों को दर्शन देंगे.

धूमधाम से निकाली गई चेटीचंड महायात्रा

■ **नेताजी चौक पर महाआरती में उमड़े श्रद्धालु**

उल्हासनगर। सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव चेटीचंड के पावन अवसर पर उल्हासनगर शहर में भव्य महायात्रा का आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। ‘आयो लाल, झूलेलाल’ के जयघोषों के साथ महायात्रा सुबह 11 बजे शुरू हुई उल्हासनगर-1 स्थित झूलेलाल मंदिर से शहर के प्रमुख बाजारों से होते हुए रात 11 बजे चालिया साहिब मंदिर में समाप्त हुई। इस यात्रा में आकर्षण का केंद्र उल्हासनगर-5 स्थित नेताजी चौक पर महाआरती का नजारा था जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थिति दर्ज कराई। इष्ट देव झूलेलाल जी की पालकी और बहराणा साहेब श्रद्धा और भक्ति के साथ निकाला गया। यात्रा में कई झांकियों व कलाकारों की रास लीला का आनंद यात्रा में शामिल हुए श्रद्धालुओं ने लिया। संत महात्मा ने उपस्थिति दर्ज कराकर यात्रा में ऐतिहासिक बना दिया। शहर के प्रमुख चौराहों से गुजरती यह शोभायात्रा सीरू चौक, नेहरू चौक, फर्नीचर बाजार, प्रेस बाजार, शिवाजी चौक, सेक्शन 17, पवई चौक, ओटी चौक, 4 नंबर मार्केट तथा व्हीनस चौक से नेताजी चौक से चालिया मंदिर पहुंची। जगह-जगह व्यापारियों और नागरिकों ने फूलों की वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया। भजन-कीर्तन, मनमोहक झांकियां और पारंपरिक परिधान में सजे श्रद्धालुओं ने पूरे मार्ग को भक्तिमय बना दिया। शहरभर में शरबत व प्रसाद का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मनपा के वाटर सप्लाई डिपार्टमेंट में फेरबदल

उल्हासनगर. एडमिनिस्ट्रेटिव वजहों से उल्हासनगर मनपा के वाटर सप्लाई डिपार्टमेंट में अहम फेरबदल किए गए हैं। कमिश्नर मनीषा आव्हाले ने अधिकारियों का फेरबदल किया है। इस फेरबदल के तहत डिप्टी इंजीनियर दीपक ढोले को एग्जीक्यूटिव इंजीनियर-इन-चार्ज के पद की जिम्मेदारी दी गई है। परमेश्वर बुडगे से डिप्टी इंजीनियर के पद का चार्ज हटाकर उन्हें कैंप नंबर 4 में जूनियर इंजीनियर के पद की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही, दीपक ढोले को उत्तरी इलाके में वाटर सप्लाई डिपार्टमेंट की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि डिप्टी इंजीनियर अशोक घुले को दक्षिणी इलाके की जिम्मेदारी दी गई है।

आदेश दिए गए हैं कि संबंधित अधिकारी और कर्मचारी तुरंत काम शुरू करें और कंप्लायंस रिपोर्ट जमा करें। कमिश्नर आव्हाले ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर ट्रांसफर कैंसिल करने या बदलने के लिए कोई दबाव डाला गया तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बारी-बारी से ज़िम्मेदारियाँ

चूंकि राज्य सरकार वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट के लिए इंजीनियर की पोस्ट पर डेप्युटेशन पर ऑफिसर नहीं दे रही है, इसलिए डिपार्टमेंट लोकल अधिकारियों के भरोसे चल रहा है। इसलिए, यह साफ़ है कि इंचार्ज एग्जीक्यूटिव इंजीनियर की पोस्ट की ज़िम्मेदारी बारी-बारी से लोकल अधिकारियों को दी जा रही है।

‘गांजा तस्करी के तीन आरोपियों के रिश्तेदारों के खिलाफ कार्रवाई हो’

■ **शिवसेना महानगर प्रमुख व नगरसेवक राजेंद्र चौधरी ने की मांग**

उल्हासनगर. अंबरनाथ पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर शब्बीर सैय्यद की टीम ने 4 करोड़ रुपये की गांजा तस्करी का पर्दाफाश किया है। इस मामले में एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। चूंकि वे उल्हासनगर के पश्चिम के विठ्ठलवाड़ी इलाके में रहते हैं, इसलिए शिवसेना के महानगर प्रमुख और नगरसेवक राजेंद्र चौधरी ने पुलिस उपायुक्त सचिन गोर को एक निवेदन देकर मांग की है कि उनके रिश्तेदारों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए क्योंकि इस बात की संभावना है कि वे भी इस गांजा तस्करी में शामिल हों।

पता चला है कि गांजा तस्करी रैकेट में गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी विठ्ठलवाड़ी शास्त्री नगर स्लम एरिया के रहने वाले हैं। इसलिए, चूंकि विठ्ठलवाड़ी को गांजा बेचने का मुख्य सेंटर माना जाता है, इसलिए पुलिस को गांजा बेचने वाले आरोपियों के रिश्तेदारों पर भी कार्रवाई करनी चाहिए और गांजे की बिक्री पूरी तरह से रोकनी चाहिए, यह मांग शिवसेना महानगर प्रमुख राजेंद्र चौधरी ने पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे को दिए एक निवेदन में की है। इस मौके पर शिव सैनिक और पूर्व नगरसेवक जयकुमार केनी मौजूद थे।

शिवसेना ने आरोप लगाया है कि इन आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद भी उस जगह पर खुलेआम गांजा बेचा जा रहा है। पहले भी पुलिस से शिकायत की गई थी कि विठ्ठलवाड़ी इलाके में बड़ी मात्रा में गांजा बेचा जा रहा है। उस समय पुलिस ने उन पर सही कार्रवाई किए बिना उन्हें छोड़ दिया था। और अब पुलिस ने चार करोड़ रुपये का गांजा जब्त किया है।

विद्यार्थियों को जमीन पर बिठाना बर्दाश्त नहीं

■ **शिक्षण मंडल में सुधार की आवश्यकता - दुर्गा राय**

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा के एक कार्यक्रम में मनपा स्कूल नं. 24 में बच्चों को गर्मी में जमीन पर बिठाने का विरोध पैनल 7 से शिवसेना नगरसेवक दुर्गा राय ने किया। मनपा आम सभा में इस मुद्दे पर उन्होंने ऐतराज जताया उन्होंने कहा कि देश का भविष्य स्कूल के छात्रों को जमीन पर बिठाया जाता है और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए महंगे कालीन का इस्तेमाल किया जाता है। प्रशासन के इस तरह के कार्य को सुधारने की आवश्यकता है। मनपा स्कूलों में बच्चों की शिक्षा और उनके रखरखाव का ध्यान देना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

हम शिक्षण विभाग को सुधारने के लिए कार्य करेंगे और बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को माफ नहीं करेंगे।

उल्हासनगर में TDR की खरीद-बिक्री रोकने के आदेश

■ **करोड़ों के TDR घोटाले का पर्दाफाश**

उल्हासनगर. चर्चित TDR स्कैम ने राज्य लेवल पर हलचल मचा दी है और प्रिंसिपल सेक्रेटरी असीम गुप्ता के ऑफिस में हुई एक हाई-लेवल मीटिंग में मामले की पूरी जांच के आदेश दिए गए हैं। इस मीटिंग में पूर्व मंत्री बच्चू कडू भी शामिल हुए थे. मीटिंग में TDR ट्रांज़ैक्शन को तुरंत सस्पेंड करने, ऑडिट करने और ज़िम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ़ एक्शन लेने का साफ़ इशारा दिया गया, जिससे एडमिनिस्ट्रेशन में बड़ी हलचल मच गई है। शुरुआत में, म्युनिसिपल कमिश्नर को TDR नंबर 14, 17 और 18 के मामलों का ऑडिट करने का निर्देश दिया गया। इस मीटिंग में प्रहार जनशक्ति पार्टी के ठाणे जिलाध्यक्ष एड. स्वप्निल पाटिल, शैलेश तिवारी और शरद पोल्के भी मौजूद थे। ऑडिट पूरा होने तक तीनों TDR ट्रांज़ैक्शन के ओरिजिनल डॉक्यूमेंट्स ज़ब्त करके TDR की खरीद-बिक्री पूरी तरह से रोकने के आदेश दिए गए हैं।

साथ ही, एडमिनिस्ट्रेशन को निर्देश दिया गया कि अगर TDR खरीदने वाले डेवलपर्स के साथ धोखाधड़ी होती है, तो वे संबंधित सेलर्स के खिलाफ़ केस करें और नए TDR खरीदने के बाद ही उन्हें कंस्ट्रक्शन प्रोसेस में शामिल करें।

इस मामले में उस समय के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होने की संभावना है, और यह देखा गया है कि TDR और रिवाइज्ड कंस्ट्रक्शन परमिट में जानबूझकर लापरवाही की गई है। इसके अलावा, बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की तर्ज पर उल्हासनगर में भी TDR की पूरी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध कराने का फैसला किया गया है, और यह जानकारी अगले 10 दिनों में वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

> TDR स्कैम को सामने लाने के दौरान हमारे खिलाफ झूठे केस किए गए, हम पर दबाव डाला गया, लेकिन हम पीछे नहीं हटे। सरकार ने अब इस मामले का संज्ञान लिया है और जांच के आदेश दिए हैं, यह सच की जीत की शुरुआत है। जब तक इस स्कैम में हर दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती, हम चुप नहीं बैठेंगे।
>
> – एड. स्वप्निल पाटिल, ठाणे जिला अध्यक्ष, प्रहार जनशक्ति

भूमिगत केबल में लगी आग

कल्याण. शुक्रवार को कल्याण पश्चिम के गांधारी ब्रिज पर महावितरण की एक भूमिगत बिजली लाइन में आग लग गई थी, जिससे बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई. महावितरण तथा दमकल की टीम समय पर पहुंच जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई.

शिवकालीन हथियार, किले और सिक्कों की प्रदर्शनी

■ **प्रदर्शनी को मिला अच्छा प्रतिसाद**

■ **प्रदर्शनी में स्कूली छात्रों की भारी भीड़**

उल्हासनगर. उल्हासनगर शिवसेना शहर शाखा की ओर से ऐतिहासिक प्रदर्शनी विठ्ठलवाड़ी स्टेशन रोड के पास वेदांत कॉलेज के मैदान में तीन दिनों 20, 21 और 22 तारीखों के लिए रखी गई है। तीन दिन की भव्य ऐतिहासिक प्रदर्शनी को नागरिकों से अचानक रिस्पॉन्स मिल रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज की बहादुरी और स्वराज्य की स्थापना की कहानी को सामने लाने वाली यह प्रदर्शनी शहर में इतिहास और बहादुरी की झलक दिखा रही है। प्रदर्शनी का उद्घाटन शिवसेना कल्याण जिला प्रमुख गोपाल लांडगे, MLA बालाजी किणीकर, पूर्व MLA पप्पू कालानी और अन्य गणमान्य लोगों ने किया। इस प्रदर्शनी में शिवकालीन किलों, किलों, विभिन्न धर्मग्रंथों और प्राचीन सिक्कों की आकर्षक प्रतिकृतियां दिखाई जाएंगी। इससे छत्रपति शिवाजी महाराज के काम और उनकी बहादुरी का इतिहास लोगों के सामने आएगा। इस एग्ज़िबिशन को इतिहास प्रेमी, स्टूडेंट और आम लोग बड़ी संख्या में देख रहे हैं।

इस एग्ज़िबिशन में शिवाजी महाराज के युद्ध कौशल, किलों की बनावट और उस समय के करेंसी सिस्टम के बारे में डिटेल में जानकारी दी गई है। इसलिए, लोगों को इतिहास पढ़ने और उसे खुद अनुभव करने का एक शानदार मौका मिला है। सुबह 10 बजे से रात 10.00 बजे तक खुली रहने वाली इस एग्ज़िबिशन को देखने वाले दिन भारी भीड़ उमड़ी। यह प्रोग्राम शिवसेना मेट्रोपॉलिटन चीफ और कॉर्पोरेटर राजेंद्र चौधरी की पहल पर आयोजित किया गया था। इस प्रोग्राम में कल्याण डिस्ट्रिक्ट चीफ गोपाल लांडगे, MLA बालाजी किणीकर, पप्पू कलानी, शिवसेना ग्रुप लीडर अरुण आशान और दूसरे बड़े लोग मौजूद थे।

ई-चालान मैसेज से सुलझा बाइक चोरी का मामला

■ **पुलिस की सतर्कता से पकड़ा गया शातिर अपराधी**

■ **पुलिस पर किया हमला**

■ **आरोपी गिरफ्तार**

उल्हासनगर. एक सिंपल ई-चालान से सॉल्व हुआ एक रोमांचक क्राइम चर्चा का विषय बन गया है। ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई का मैसेज सीधे गाड़ी के मालिक तक पहुंचा और वहीं से चोरी हुई मोटरसाइकिल का तार मिला। पुलिस टीम की सतर्कता से आरोपी का पर्दाफाश हुआ। खास बात यह है कि मामला तब गंभीर हो गया जब आरोपियों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस पर हमला कर दिया।

उल्हासनगर यातायात विभाग के पुलिस कांस्टेबल संतोष भोईर अपने साथियों के साथ बिर्लागेट से दत्तावाड़ी रोड इलाके में रेगुलर ट्रैफिक कंट्रोल कैंपेन चला रहे थे। सड़क के दोनों ओर गैर-कानूनी तरीके से पार्क की गई गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्होंने एक टू-व्हीलर पर ई-चालान के जरिए कार्रवाई की। इस कार्रवाई का मैसेज संबंधित गाड़ी के मालिक ओमकार बबन भरदे (निवासी कोल्हापुर) के मोबाइल फोन पर पहुंचा। मैसेज मिलने पर भरदे ने तुरंत ट्रैफिक कंट्रोल रूम से संपर्क किया और बताया कि संबंधित दोपहिया वाहन गोवा से चोरी हो गया है। इसके बाद कंट्रोल रूम ने यह जानकारी उल्हासनगर ट्रैफिक ब्रांच को भेजी। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर राजेश शिरसाठ के मार्गदर्शन में पुलिस कांस्टेबल संतोष भोईर और वार्डन बबन उज्जैनकर ने तुरंत कार्रवाई की और संदिग्ध दोपहिया वाहन की तलाश शुरू कर दी।

मिली जानकारी के आधार पर पुलिस शिव रोड इलाके में अंबिका देशी बार के सामने आरोपी तक पहुंची। पूछताछ करने पर वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। उल्टा उसने मोटरसाइकिल छोड़कर भागने की कोशिश की। पीछा करते समय आरोपी ने प्लास्टिक की कुर्सी फेंककर संतोष भोईर पर हमला कर दिया, जिसमें उसके माथे पर चोट लग गई। हालांकि, पुलिस ने हिम्मत और फुर्ती दिखाई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जब ई-चालान सिस्टम चेक किया गया, तो साफ हो गया कि बाइक का असली मालिक ओमकार भरदे था। उससे संपर्क करने पर यह कन्फर्म हो गया कि बाइक चोरी की है।

जांच के दौरान पता चला कि ओमकार भरदे और लक्ष्मण तुकाराम घुड़े (30, निवासी सरलगांव, ताल. मुरबाद) गोवा में मिले थे। नशे में दोनों के बीच बहस के बाद, गुस्से में घुड़े ने भरदे की मोटरसाइकिल बिना परमिशन के ले ली और भाग गया। जांच में पता चला कि आरोपी ने इस चोरी की बाइक का इस्तेमाल गोवा से मुरबाड तक लंबी दूरी तय करने के लिए किया था। आरोपी लक्ष्मण तुकाराम घुड़े (30, निवासी सरलगांव, ताल. मुरबाद, जिला. ठाणे) एक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में 26 गंभीर मामले दर्ज हैं। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर राजेश शिरसाठ ने बताया कि वह उनमें से 8 से 10 मामलों में वांछित आरोपी है।

पुलिसकर्मी होंगे सम्मानित

इस मामले में उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में इंडियन पीनल कोड की धारा 122 (1) और 303 (2) के तहत केस दर्ज किया गया है और आगे की जांच चल रही है। इस बीच, इस बहादुरी और अलर्ट एक्शन के लिए, पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण, ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट ने बताया कि पुलिस कांस्टेबल संतोष भोईर को एक स्पेशल अवॉर्ड से सम्मानित करेंगे।

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

इलेक्ट्रिक वाहन वरदान या अदृश्य खतरा

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसका उद्देश्य यही है कि बढ़ते वायु प्रदूषण का मुकाबला किया जाए और पेट्रोल एवं डीजल पर निर्भरता भी कम हो। इसीलिए सार्वजनिक परिवहन में बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक बसों को शामिल किया जा रहा है।

कम खर्च में चलने और एक बेहतर विकल्प होने के कारण भी लोग ऐसे वाहनों को धीरे-धीरे अपनाने लगे हैं। मगर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि नई तकनीक के जहां फायदे होते हैं, वहीं इसमें कई स्तरों पर जोखिम भी छिपे होते हैं। बिजली से चलने वाले वाहनों में तकनीकी गड़बड़ियों और आग लगने की घटनाओं से अब कई सवाल उठने लगे हैं।

इंदौर में बुधवार तड़के एक इलेक्ट्रिक कार को चार्ज किए जाने के दौरान धमाके के बाद इमारत में आग लगने से आठ लोगों की मौत की घटना ने सचेत किया है कि क्या ये वाहन सुरक्षित हैं? गौरतलब है कि मकान के बाहर कार को चार्ज किए जाने के दौरान 'चार्जिंग प्वाइंट' में विस्फोट हुआ। इसके बाद आग की लपटों ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया।

कोई दो मत नहीं कि आग लगने की ऐसी घटनाओं से उन लोगों का विश्वास कमजोर होगा जो पेट्रोल की गाड़ियों को छोड़ कर इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने का मन बना रहे हैं। यह उचित ही है कि विशेषज्ञों की एक समिति से इंदौर अग्निकांड की जांच कराई जाएगी। इसका जो भी निष्कर्ष सामने आए, लेकिन इससे स्पष्ट होगा कि इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण और इसके संचालन में कहां कमी रह गई।

सवाल है कि ऐसे वाहनों के इस्तेमाल और सुरक्षा के लिए कोई मानक संचालन प्रक्रिया अब तक क्यों नहीं अपनाई गई? इसके बारे में पहले से लोगों को क्यों नहीं बताया जाता। आखिर गलियों में या घरों के सामने अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने के लिए लोग क्यों मजबूर हैं। यह निराशाजनक ही है कि सड़कों के किनारे और रिहाइशी इलाकों में जगह-जगह पर्याप्त संख्या में चार्जिंग स्टेशन अभी तक नहीं बनाए जा सके हैं।

ऐसे में बिजली से चलने वाले वाहनों को सड़कों पर उतार देने भर से उत्सर्जन कम करने या तेल पर निर्भरता घटाने का लक्ष्य पूरा नहीं होगा।

विचार : अब दिल्ली को भी मिले इंद्रप्रस्थ नाम

हाल में केरल का नाम बदलकर केरलम किए जाने के बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का नाम इंद्रप्रस्थ करने की मांग ने नया उत्साह पैदा किया है। यह विचार पहले मुख्यतः राष्ट्रवादी विमर्श तक सीमित था। यह 2016 में पुराने पांडव किला में आयोजित प्रथम इंद्रप्रस्थ महोत्सव के दौरान व्यापक रूप से सार्वजनिक मंच पर सामने आया। इस कार्यक्रम का आयोजन द्रौपदी ड्रीम ट्रस्ट द्वारा किया गया था और इसे भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय का समर्थन प्राप्त था। इसके बाद से यह विषय सार्वजनिक और राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनता रहा। राजधानी का प्राचीन नाम इंद्रप्रस्थ सनातन परंपरा में गहराई से निहित है और दिल्ली को राजा ढेलू की एक छोटी बस्ती से संबंधित माना जाता है।

संस्कृत में प्रस्थ का अर्थ समतल भूभाग (पठार) भी होता है। इस प्रकार इंद्रप्रस्थ केवल एक प्रशासनिक केंद्र नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परिदृश्य के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। यह नाम उस कालखंड का प्रतीक है जब सत्ता और न्याय का आधार धर्म हुआ करता था। भगवान श्रीकृष्ण ने इस क्षेत्र की प्राचीन पवित्रता को देखते हुए इसे पांडव राज्य की स्थापना के लिए चुना। महाभारत के अनुसार, युधिष्ठिर ने यमुना में स्नान कर राजसूय यज्ञ संपन्न किया और इंद्रप्रस्थ के चक्रवर्ती सम्राट बने। स्वामी दयानंद के शोध और राजस्थान के नाथद्वारा मंदिर के अभिलेखों के अनुसार सम्राट युधिष्ठिर से लेकर सम्राट यशपाल तक लगभग 124 आर्य

शासकों ने यहां 4,157 वर्षों तक निरंतर शासन किया, जिसमें प्रत्येक का औसत शासनकाल लगभग 39 वर्ष रहा।

इतिहासकार हेनरी हार्डी कोल और एलेक्जेंडर कनिंघम ने भी इसे भारत की प्रारंभिक शहरी बसावटों में से एक माना है। महाभारत के सभा पर्व में वर्णित है कि इंद्रप्रस्थ एक सुयोजित नगर था, जहां समाज के सभी वर्गों की आवश्यकताओं का ध्यान रखा गया था। यह नगर काशी जैसे अन्य धार्मिक केंद्रों से व्यवस्थित सड़कों द्वारा जुड़ा था। बौद्ध परंपराओं में उल्लेख है कि बुद्ध का उस्तरा और सुई भी इंद्रपत्त (इंद्रप्रस्थ) में स्थापित किए गए थे, जो इसके व्यापक प्रभाव को दर्शाता है। इसके विपरीत दिल्ली नाम की उत्पत्ति लोककथाओं में राजा ढेलू से जोड़ी जाती है। कहा जाता है कि उन्होंने महरौली स्थित पवित्र विष्णुगिरि लौह स्तंभ (जो शासन की स्थिरता का प्रतीक था) की स्थिति को परखने का प्रयास किया।

इस प्रक्रिया में वास्तु के प्रतीक नागदेव को चोट पहुंची और स्तंभ की कील ढीली हो गई। इसी ढीली किल्ली से ढिल्लिका और कालांतर में दिल्ली शब्द निकला। विडंबना यह रही कि स्थिरता के प्रतीक से जुड़ी इस घटना ने एक ऐसे नाम को जन्म दिया, जो इतिहास में अस्थिरता और अशांति की गाथा बन गया।

जो भूमि पहले आध्यात्मिक, पूजनीय थी, वह धीरे-धीरे केवल धन-संपन्न प्रदेश के रूप में देखी जाने लगी, जिससे विदेशी आक्रमणकारियों की गिद्ध दृष्टि इस पर पड़ी। मुहम्मद गोरी से लेकर नादिर शाह और अंग्रेजों तक दिल्ली बार-बार आक्रमणों, लूट और विनाश का केंद्र बनी। इन आक्रमणों का मुख्य उद्देश्य संपदा का दोहन और भारत की वैदिक ज्ञान परंपरा को खंडित करना था। यह स्थिति उस स्वर्णकाल से भिन्न थी, जब विदेशी यात्री यहां केवल ज्ञान प्राप्त करने और संवाद करने आते थे।

ब्रिटिश काल में जब राजधानी कलकत्ता से दिल्ली लाई गई, तब लुटियंस की दिल्ली के निर्माण में प्राचीन इंद्रप्रस्थ की नगर-योजना का अध्ययन तो किया गया, लेकिन इसी दौरान कई प्राचीन संरचनाओं को मलबे में दबा दिया गया। 1913 की अधिसूचना द्वारा इंद्रप्रस्थ की ऐतिहासिक सीमा को अत्यंत सीमित कर केवल पुराना किला तक समेट दिया गया। 1925-26 की पुरातत्व रिपोर्टों में यहां राजा भोज और राजा सोहनलाल के मंदिर-लेखों का मिलना इस क्षेत्र पर भारतीय शासकों के लंबे नियंत्रण की पुष्टि करता है। आज पुराना किला स्थित कुंती मंदिर, निगमबोध घाट का क्षेत्र (जहां युधिष्ठिर ने अश्वमेध यज्ञ किया था), नीली छतरी मंदिर और महरौली का योगमाया मंदिर इस प्राचीन गौरव के

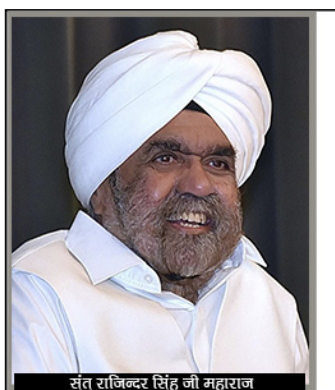

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

ध्यानाभ्यास के द्वारा हम शांति प्राप्त कर सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

संकरी गलियां बनीं 9 लोगों की मौत का कारण

दिल्ली में अनियोजित विकास की आपाधापी में जिस तरह से नियमों को धता बताया जाता रहा है, उसका नतीजा बार-बार किसी हृदयविदारक हादसे के रूप में सामने आता है। राजधानी के पालम इलाके की एक रिहाइशी इमारत में आग लगने से एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। कुछ लोग बच गए, लेकिन बुरी तरह झुलसे हैं।

बताया जा रहा है कि घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्र में शार्ट सर्किट के कारण आग लगी थी। उस इमारत में भूतल और पहली मंजिल पर कपड़े और सौंदर्य प्रसाधन की दुकानें थीं, जिससे आग मिनटों में फैली। घर की बनावट ऐसी थी कि फंसे लोगों को बचाने की कोशिश नाकाम रही। साथ ही, मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों के खराब उपकरणों के कारण बचाव कार्य में देरी हुई।

अगर विभाग की हाइड्रोलिक प्रणाली समय पर काम करती, तो कुछ लोगों की जान बचाई जा सकती थी। इस अग्निकांड से कई पुराने सवाल उठ रहे हैं, जिन पर अक्सर चर्चा होती है और नतीजा सिफर रहता है। इस हादसे में सुरक्षा नियमों की अनदेखी और विफलता के सवाल अहम हैं। दिल्ली में ऐसी कई इमारतें हैं, जो मिश्रित आवासीय-व्यावसायिक हैं। अवैध

कालोनियों में नियमों के अनुपालन की उम्मीद करना बेमानी है।

राजधानी में अधिकांश जगहों की यही तस्वीर है। ऐसी जगहों पर किसी भी तरह का हादसा होने पर बचाव कार्य में प्रायः दिक्कत होती है। संकरी गलियों के कारण आग लगने पर दमकल गाड़ियां पहुंचने में समय लेती हैं। अनियोजित बस्तियों में आपातकालीन सेवाओं के प्रभावी ढंग से काम करने की अक्षमता कई बार उजागर हुई है। पालम में भी यह स्थिति दिखी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इस तरह के इलाकों में आग लगने की घटनाओं की कई बार भयावह तस्वीरें सामने आई हैं। दो साल पहले विवेक विहार के एक अस्पताल में आग लगने से आठ शिशुओं की मौत हो गई थी। ऐसी सैकड़ों घटनाएं दर्ज की गई हैं। अक्सर, इमारतों में अग्नि सुरक्षा संबंधी इंतजाम नहीं होते। विद्युत प्रणालियां दोषपूर्ण होती हैं या भवन निर्माण संबंधी नियमों का उल्लंघन होता है।

ऐसे हादसों में अक्सर प्रशासनिक उदासीनता, नगर निकायों में भ्रष्टाचार और विकासकर्ताओं तथा अधिकारियों के बीच सांठगांठ के तथ्य सामने आते हैं। सवाल उठता है कि आगे का रास्ता क्या हो? अधिकारियों को चाहिए कि वे आपदाओं के बाद नोटिस जारी करने से आगे बढ़कर सभी क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

दिल्ली में जनसंख्या घनत्व को देखते हुए, संकरी गलियों में अग्निशमन सेवाओं की पहुंच में सुधार और विद्युत अवसंरचना का उन्नयन आवश्यक है। पालम में जिस तरह की इमारत थी, वैसे भवनों के लिए अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) अनिवार्य किया जाना चाहिए। किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि भविष्य के लिए ठोस इंतजाम किए जाएं।

दिल्ली सरकार ने अग्नि सुरक्षा आडिट की बात दोहराई है। जरूरी है कि काम धरातल पर दिखे। विडंबना यह है कि दिल्ली में आए दिन किसी न किसी इलाके में आग लगने और उसमें भारी नुकसान की खबरें आती रहती हैं, हादसे के बाद तमाम एजंसियां खानापूर्ति करती हैं और नतीजा ढाक के तीन पात रहता है।

नॉर्मल पेट्रोल से कितना अलग है प्रीमियम फ्यूल?

जब भी हम पेट्रोल पंप पर अपने वाहन में ईंधन भरवाने जाते हैं, तो हमें आमतौर पर दो तरह के विकल्प मिलते

जरा हट के

हैं. नॉर्मल पेट्रोल और प्रीमियम पेट्रोल। प्रीमियम पेट्रोल की कीमत नॉर्मल पेट्रोल के मुकाबले ज्यादा होती है, जिससे कई लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि आखिर दोनों में क्या फर्क है और प्रीमियम पेट्रोल इतना महंगा क्यों होता है.

दरअसल, नॉर्मल और प्रीमियम पेट्रोल के बीच सबसे बड़ा अंतर उनकी ऑक्टेन रेटिंग में होता है. ऑक्टेन रेटिंग यह बताती है कि ईंधन इंजन में नॉकिंग (खटखटाहट) को कितनी प्रभावी तरीके से रोक सकता है.

प्रीमियम पेट्रोल की ऑक्टेन रेटिंग आमतौर पर 91 या उससे अधिक होती है, जबकि नॉर्मल पेट्रोल की रेटिंग करीब 87 होती है। इसके अलावा, प्रीमियम पेट्रोल में खास तरह के एडिटिव्स मिलाए जाते हैं, जो

इंजन को साफ रखने और बेहतर परफॉर्मेंस देने में मदद करते हैं. यही वजह है कि प्रीमियम पेट्रोल की कीमत सामान्य पेट्रोल से अधिक होती है. ध्यान देने वाली बात यह है कि प्रीमियम पेट्रोल में खास तरह के एडिटिव्स और डिटर्जेंट मिलाए जाते हैं, जो इंजन में कार्बन जमा होने और गंदगी बनने से रोकते हैं.

वहीं, सामान्य पेट्रोल में इस तरह के तत्व नहीं होते. इसी कारण प्रीमियम पेट्रोल के उपयोग से इंजन में नॉकिंग की संभावना भी कम हो जाती है और इंजन स्मूद तरीके से काम करता है.

प्रीमियम पेट्रोल खासतौर पर हाई-परफॉर्मेंस और ज्यादा कंप्रेशन वाले इंजनों के लिए उपयुक्त माना जाता है, जैसे लग्जरी और स्पोर्ट्स कारें. यह इंजन की कार्यक्षमता और परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने में मदद करता है.

वहीं, सामान्य पेट्रोल रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली कम कंप्रेशन वाली गाड़ियों के लिए पर्याप्त होता है. कुल मिलाकर, प्रीमियम पेट्रोल बेहतर परफॉर्मेंस और कई मामलों में अच्छा माइलेज देने में सहायक माना जाता है.

बनाना-ओट्स पैनकेक

सामग्री

- ओट्स (रोल्ड या इंस्टेंट)- 1 कप
- पके हुए केले- 2 मध्यम आकार के
- दूध (डेयरी या बादाम का दूध)- ½ कप
- अंडा- 1 (शाकाहारी लोग दही का इस्तेमाल कर सकते हैं)
- बेकिंग पाउडर ½ छोटा चम्मच
- दालचीनी पाउडर- एक चुटकी
- वैनिला एसेंस- 2-3 बूंदें
- शहद या मेपल सिरप ऊपर से डालने के लिए

बनाने की विधि

सबसे पहले ओट्स को मिक्सर ग्राइंडर में डालकर बारीक पीस लें। जब यह आटे जैसा दिखने लगे, तो इसे एक बाउल में निकाल लें।

अब एक दूसरे बर्तन में केले के छिलके उतारकर उन्हें कांटे की मदद से अच्छी तरह मैश कर लें। अब इसमें अंडा या 2 चम्मच दही, दूध और वैनिला एसेंस मिलाएं और इसे तब तक फेंटें जब तक यह अच्छी तरह मिक्स न हो जाए।

इसके बाद ओट्स के पाउडर में बेकिंग पाउडर और दालचीनी मिलाएं। धीरे-धीरे केले और दूध वाले मिश्रण को इसमें डालें और

मिलाते रहें। ध्यान रहे कि बैटर बहुत ज्यादा पतला न हो; इसकी कंसिस्टेंसी इडली के घोल जैसी होनी चाहिए। इसे 5 मिनट के लिए छोड़ दें ताकि ओट्स नमी सोख लें।

अब एक नॉन-स्टिक तवे को मध्यम आंच पर गरम करें और उस पर थोड़ा सा मक्खन डालें। एक बड़े चम्मच की मदद से बैटर को तवे पर फैलाएं। ध्यान रखें कि इसे बहुत ज्यादा पतला न करें।

जब पैनकेक की ऊपरी सतह पर छोटे-छोटे बुलबुले दिखने लगें, तो इसे सावधानी से पलट दें। दूसरी तरफ से भी सुनहरा भूरा होने तक 1-2 मिनट पकाएं।

बनाना-ओट्स पैनकेक बनकर तैयार है। इसे सर्व करने के लिए ऊपर थोड़ा शहद या मेपल सिरप डालें। पैनकेक को और आकर्षक बनाने के लिए आप ऊपर से कटे हुए केले के टुकड़े और ब्लूबेरी भी सजा सकते हैं।

स्कूल में दूसरों से नहीं घुल-मिल पा रहा आपका बच्चा?

शर्मीलापन ही नहीं, ये 3 वजहें भी है जिम्मेदार

क्या आपका बच्चा स्कूल जाने के नाम से कतराता है? या फिर पैरेंट-टीचर मीटिंग में अक्सर शिकायत मिलती है कि वह क्लास में अकेला बैठा रहता है और दूसरे बच्चों के साथ खेलता नहीं है? एक माता-पिता होने के नाते ऐसी बातें सुनना बहुत परेशान करने वाला हो सकता है।

अक्सर हम इस स्थिति को बच्चे का 'शर्मीलापन' मानकर टाल देते हैं और सोचते हैं कि समय के साथ सब ठीक हो जाएगा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमेशा ऐसा नहीं होता? कई बार बच्चे के अकेलेपन के पीछे कुछ और भी कारण होते हैं जिन्हें समझना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं वो 3 मुख्य वजहें जो आपके बच्चे को दूसरों से घुलने-मिलने से रोक रही हो सकती हैं।

स्कूल का शोरगुल और भीड़ से घबराहट

घर का माहौल शांत होता है, लेकिन स्कूल बिल्कुल अलग है। क्लास में बहुत सारे बच्चे, एक साथ कई लोगों का बोलना और ग्राउंड में शोर-शराबा कुछ बच्चों के लिए बहुत ज्यादा हो सकता है। इसे 'सेंसरी ओवरलोड' कहते हैं। जिन बच्चों को शांति पसंद होती है, वे इस अचानक आए शोर से घबरा जाते हैं और खुद को दूसरों से अलग कर लेते हैं। वे शर्मीले नहीं हैं, बस उन्हें उस माहौल में तालमेल बिठाने में दिक्कत आ रही है।

दोस्त बनाने का तरीका न पता होना

जरा सोचिए, क्या आपको कभी अनजान लोगों के बीच जाकर बात शुरू करने में झिझक महसूस हुई है? बच्चों के साथ भी ऐसा ही होता है। कभी-कभी बच्चा दूसरों के साथ खेलना तो चाहता है, लेकिन उसे समझ नहीं आता कि शुरुआत कैसे करे। 'क्या मैं भी तुम्हारे साथ खेल सकता हूं?' -यह छोटी सी बात कहना उनके लिए बहुत मुश्किल हो सकता है। उन्हें डर लगता है कि कहीं दूसरे बच्चे उन्हें मना न कर दें। यह शर्मीलापन नहीं, बल्कि 'सोशल स्किल्स' की कमी है।

कोई बुरा अनुभव या मजाक उड़ने का डर

अगर आपके बच्चे ने पहले कभी किसी से दोस्ती करने की कोशिश की हो और उसका मजाक उड़ाया गया हो, तो वह दोबारा किसी से बात करने में डरेगा। कई बार स्कूल में कुछ बच्चे चिढ़ाते हैं या डराते हैं। ऐसे में, एक छोटा बच्चा खुद को सुरक्षित रखने के लिए चुप रहना और अकेले रहना ही बेहतर समझता है। यह एक बहुत गंभीर वजह है जिस पर माता-पिता को तुरंत ध्यान देना चाहिए।

माता-पिता क्या करें?

अगर आपका बच्चा स्कूल में अकेला महसूस कर रहा है, तो उस पर 'सबसे बात किया करो' कहकर दबाव न डालें। इसके बजाय, स्कूल से लौटने के बाद उससे प्यार से बात करें। उससे पूछें कि उसके दिन का सबसे अच्छा और सबसे खराब हिस्सा कौन-सा था। उसकी परेशानी की असली वजह समझकर उसका साथ दें।

आज का राशिफल

मेष : वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। विवाद में न पड़ें।

वृषभ : पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय की अनुकूलता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी से कोई भी कार्य न करें।

मिथुन : बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय मनोरंजन में व्यतीत होगा। आय होगी। व्यापार ठीक चलेगा।

कर्क : थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा। समय अच्छा व्यतीत होगा। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह : विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। कोई बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। कुसंगति से दूर रहें। हानि संभव है।

कन्या : उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जल्दबाजी न करें।

तुला : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी मनोरंजक कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं।

वृश्चिक : दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा। परिवार के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु : लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। रिश्तेदारों या मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा।

मकर : वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। परिवार के साथ रहने का अवसर प्राप्त होगा।

कुंभ : चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है। किसी व्यक्ति की नाराजी से मन खराब होगा। मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मनोरंजन होगा।

मीन : बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। समय सुखमय व्यतीत होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

दांतों में दर्द से लेकर मसूड़ों की सूजन तक

ये 9 लक्षण कह रहे हैं- 'डेंटिस्ट की जरूरत है'

20 मार्च को दुनियाभर में World Oral Health Day 2026 मनाया जाता है। क्या आप जानते हैं कि हमारा मुंह हमारे पूरे शरीर की सेहत का 'आईना' होता है? मैक्स मल्टी स्पेशलिटी सेंटर, नोएडा के निदेशक और एचओडी डॉ. केशव नैथानी के अनुसार, कई बार शरीर की गंभीर बीमारियों के लक्षण सबसे पहले हमारे मुंह में ही दिखाई देते हैं।

9 लक्षण दिखते ही जाएं डेंटिस्ट के पास

अगर आपको अपने मुंह या दांतों में नीचे दी गई कोई भी समस्या महसूस हो, तो तुरंत डेंटिस्ट से संपर्क करना चाहिए:

मुंह में छाले या न भरने वाले घाव: अगर आपके मुंह में कोई लाल या सफेद निशान या छाला है जो दो हफ्ते से ज्यादा समय से ठीक नहीं हो रहा है, तो इसे हल्के में न लें। यह किसी गहरे इन्फेक्शन या ओरल कैंसर का संकेत हो सकता है।

लगातार सूजन या गांठ: मसूड़ों, जबड़े या गले के हिस्से में सूजन आना 'एब्सेस' का लक्षण हो सकता है। अगर इसका इलाज नहीं हुआ, तो यह इन्फेक्शन खून या आस-पास के हिस्सों में फैल सकता है।

पक्के दांतों का हिलना: वयस्कों के दांत हिलने नहीं चाहिए। अगर ऐसा हो रहा है, तो यह मसूड़ों की गंभीर बीमारी, किसी चोट या ऑस्टियोपोरोसिस का इशारा हो सकता है।

मसूड़ों से खून आना: खाना खाते समय या ब्रश करते वक्त मसूड़ों से खून आना मसूड़ों की बीमारी का सबसे आम लक्षण है, जिस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।

दांतों में झनझनाहट: ज्यादा ठंडा, गरम या मीठा खाने पर दांतों में तेज झनझनाहट होना यह बताता है कि दांतों की ऊपरी परत घिस गई है, दांतों में कैविटी है या दांत क्रैक हो गए हैं।

लगातार दांतों में दर्द: अगर दांतों में लगातार दर्द बना रहता है, तो इसका मतलब है कि दांतों में सड़न हो चुकी है और उसे इलाज की सख्त जरूरत है।

सांसों की बदबू और मुंह का खराब स्वाद: अगर आपके मुंह से लगातार बदबू आती है या स्वाद अजीब रहता है, तो यह मसूड़ों की बीमारी, इन्फेक्शन या कैविटी के कारण हो सकता है।

जबड़े में दर्द या आवाज आना: जबड़ा हिलाते समय दर्द होना, परेशानी महसूस होना या 'कट-कट' की आवाज आना टीएमजे डिसऑर्डर का संकेत हो सकता है।

मुंह का हमेशा सूखना: लंबे समय तक मुंह सूखने की वजह से मसूड़ों की बीमारी और कैविटी का खतरा बहुत बढ़ जाता है। यह किसी दवाई के साइड इफेक्ट, डिहाइड्रेशन या किसी अन्य बीमारी के कारण हो सकता है।

दांतों के लिए ब्रश से बेहतर नीम-जामुन के दातुन!

आयुर्वेद के महान आचार्य महर्षि वाग्भट ने अपने ग्रंथ अष्टांग हृदयम में दातुन के फायदे बताए हैं. उनके अनुसार, दातुन करने से मुंह की बदबू दूर होती है, दांत और जीभ साफ रहते हैं और स्वाद भी बेहतर होता है. हाइजीन के नजरिए से भी ये एक बेस्ट विकल्प होता है, क्योंकि रोजाना दांतों को साफ करने के लिए नए और फ्रेश दातुन का इस्तेमाल करना होता है. ऐसे में दातुन सिर्फ दांत साफ करने का तरीका नहीं, बल्कि पूरे शरीर के लिए लाभकारी है. कौन से पेड़ के दातुन दांतों के लिए फायदेमंद?

वाग्भट ने कड़वी और कसैली टहनियों को दातुन के लिए सबसे अच्छा माना है. इनमें नीम, मदार, बबूल, अर्जुन, आम, अमरूद, जामुन, महुआ, करंज, बरगद, अपामार्ग और बेर शामिल हैं. इसके अलावा शीशम और बांस का भी उपयोग बताया गया है.

मौसम के अनुसार बदलें दातुन

मौसम के हिसाब से दातुन चुनना भी जरूरी है. गर्मियों में नीम, मदार या बबूल, सर्दियों में अमरूद या जामुन और बरसात में आम या अर्जुन की टहनी फायदेमंद होती है. नीम में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो दांतों की गंदगी, प्लाक और बदबू को खत्म करते हैं. यह मसूड़ों की सूजन और खून आने की समस्या में भी राहत देता है. वहीं, बबूल कफ-पित्त को संतुलित करता है और

मसूड़ों को मजबूत बनाता है. अर्जुन दिल और ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्याओं में मददगार है. महुआ, बरगद, अपामार्ग, करंज और बेर भी अलग-अलग बीमारियों में लाभ पहुंचाते हैं.

इन बातों का ध्यान रखें

दातुन हमेशा 6–8 इंच लंबी होनी चाहिए और उसके सिरे को चबा कर ब्रश जैसा बना लेना चाहिए. सुबह-शाम दातुन करना बेहतर है. करते समय उकड़ू बैठना लाभदायक माना गया है. ध्यान रखें कि नीम जैसी दातुन लगातार तीन महीने से ज्यादा न करें, बीच-बीच में बदलाव करना जरूरी है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

नैनीताल के पास गहरी खाई में समाई कार, उन्नाव के दो युवकों की मौत, 2 जख्मी

नैनीताल. उत्तराखंड के नैनीताल के पास गेठिया क्षेत्र में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बताया जाता है कि उन्नाव के 4 पर्यटकों की कार बेकाबू होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर घायलों को बाहर निकाला और उपचार के लिए हल्द्वानी भेजा। सभी जागेश्वर घूमने जा रहे थे। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीतांबर नगर, उन्नाव निवासी अंकित चौधरी अपने दोस्तों अभिराज, अतुल दुबे और श्याम के साथ वाहन संख्या यूपी 79एएस 4936 से घूमने के लिए जागेश्वर जा रहे थे। हल्द्वानी से आगे बढ़ते हुए, जब उनकी कार गेठिया क्षेत्र में पहुंची, तभी अचानक वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया।

लोन चुकाने के दबाव में किसान की मौत, बैंककर्मियों ने ब्लैंक चेक पर करवाए थे साइन

रायबरेली. यूपी के रायबरेली थाना क्षेत्र के एक गांव के किसान की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि किसान ने पीएनबी से छह लाख रुपये लोन लिया था, जिसका ब्याज हर महीने जमा किया जा रहा था। इसके बावजूद बैंक कर्मचारी उन्हें परेशान कर रहे थे। बैंककर्मियों ने किसान से ब्लैंक चेक पर साइन करवाया था। गुरुवार को इसी के चलते किसान की अचानक तबीयत खराब हुई और जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बैंक के शाखा प्रबंधक का दावा है कि किसान लोन की किस्त नहीं जमा कर रहा था। इसलिए रिकवरी एजेंट किसान से मिले थे, लेकिन चेक साइन कराने का आरोप निराधार है।

पांचवी की छात्रा पर कुत्तों का हमला, बीच सड़क पर दौड़ाकर गिराया, शोर मचाने पर बची जान

मेरठ. मेरठ के प्रह्लादनगर में पांचवीं कक्षा की छात्रा पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। इस घटना ने क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वहीं नगर निगम की कार्यप्रणाली पर लोगों में आक्रोश है। पार्षद अभिनव अरोड़ा का आरोप है कि नगर स्वास्थ्य अधिकारी फोन तक नहीं उठाते हैं। मेयर हरिकांत अहलूवालिया ने इस पर नाराजगी जताते हुए कार्रवाई की बात कही है। पार्षद के अनुसार प्रह्लादनगर इलाके में पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाली अलीजबा आवारा कुत्तों के झुंड का शिकार हो गई। जिससे बच्ची दहशत में आ गई। शोर मचाने पर लोगों ने बच्ची को बचाया गया।

अंतिम संस्कार में जा रहे 3 दोस्तों की दर्दनाक मौत

कानपुर. कानपुर के रेउना थाना क्षेत्र शाखा जनवारा गांव में गुरुवार दोपहर हुए सड़क हादसे में तीन दोस्तों की मौत हो गई। अंतिम संस्कार में जाते समय दूध लदे टैंकर ने टक्कर मार दी। इसके बाद सड़क पर गिरे तीनों युवकों को रौंद दिया। परिजनों व ग्रामीणों ने घटनास्थल पर शव रखकर जाम लगा दिया। दो बीघा जमीन, आवास और पांच लाख मुआवजे के लिखित आश्वासन पर शांत हुए। घाटमपुर के नौबस्ता पश्चिमी मोहल्ला निवासी 70 वर्षीय प्रेमा देवी और इसी मोहल्ले की 19 वर्षीय श्रृष्टि की बुधवार को बीमारी से मौत हो गई थी।

देशभर में धूमधाम से मनाई गई ईद

- मस्जिदों में उमड़ी नमाजियों की भीड़

नई दिल्ली. ईद-उल-फितर का त्योहार पूरे देश में बड़े ही उत्साह और भाईचारे के साथ मनाया गया। रमजान के पवित्र महीने के समापन पर मुसलमानों ने सुबह की नमाज अदा कर अल्लाह का शुक्र अदा किया और अमन-चैन की दुआ मांगी। दिल्ली में ऐतिहासिक सफदरजंग का मकबरा के पास स्थित मस्जिद में भी बड़ी संख्या में लोगों ने ईद की नमाज अदा की। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी।

पुरानी दिल्ली की शान जामा मस्जिद में सुबह से ही नमाजियों की भारी भीड़ देखने को मिली। हल्की

धुंध के बीच लोग नमाज अदा करने पहुंचे, जिससे माहौल बेहद खास और आध्यात्मिक नजर आया।

सुबह की ठंडी हवा और हल्की धुंध के बीच नमाजियों का इंतजार करना और फिर एक साथ नमाज अदा करना एकता और आस्था का प्रतीक बना। हर तरफ 'ईद मुबारक' की गूंज सुनाई दी।

नमाज के बाद बच्चे खुले मैदानों में खेलते नजर आए। उनके चेहरों की खुशी इस बात का संकेत थी कि ईद सिर्फ इबादत का ही नहीं बल्कि खुशियों का भी त्योहार है। नमाज पूरी होने के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर और हाथ मिलाकर बधाई दी। इस दौरान भाईचारे और सौहार्द का खूबसूरत नजारा देखने को मिला।

60 साल में पहली बार अल-अक्सा मस्जिद ईद में बंद

दुनियाभर में आज ईद मनाई जा रही है। मिडिल ईस्ट में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच पिछले 22 दिनों से जंग चल रही है। ऐसे में 60 साल में पहली बार इजराइल के यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद को ईद की नमाज के लिए बंद कर दिया गया है। 1967 के अरब-इजराइल युद्ध के बाद पहली बार है, जब अल-अक्सा को पूरी तरह बंद किया गया है। यह मुसलमानों के लिए मक्का और मदीना के बाद तीसरा सबसे पवित्र स्थल है।

ईद पर भोपाल में अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद के नारे

- राजस्थान में लोगों ने काली पट्टी बांधी
- बंगाल में 'बाबरी मस्जिद' की साइट पर पहली बार नमाज

नई दिल्ली. देशभर में आज ईद मनाई जा रही है। इस दौरान अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का असर दौरान को मिला है। शिया समुदाय के लोगों ने श्रीनगर, भोपाल, जयपुर, अजमेर, सीकर, बंगाल के मुर्शिदाबाद और यूपी के संभल में नमाज के दौरान लोग काली पट्टी बांधकर पहुंचे।

भोपाल के इमामबाड़ा में अयातुल्लाह अली खामेनेई की तस्वीर रखकर श्रद्धांजलि दी गई। तकरीर में मौलाना राजी उल हसन ने जुल्म के खिलाफ खड़े होने की बात कही। शिया समुदाय ने फतेहगढ़ इमामबाड़ा में काली ईद मनाई। नमाज के बाद अमेरिका और इजराइल मुर्दाबाद के नारे लगे।

राजस्थान के जयपुर, सीकर, अजमेर सहित कई जिलों में काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की गई। मस्जिदों पर काले झंडे लगाए गए थे। शिया समुदाय ने विरोध में आज नए कपड़े भी नहीं पहने। घरों में बनने वाले परंपरिक भोजन खीर, सेवइयां भी नहीं बनाई गईं।

मस्जिदों में ईद की नमाज पढ़ने के लिए लोग इकट्ठे हो रहे हैं। ईद-उल-फित्र के मौके पर राजस्थान के अजमेर में ख्वाजा गरीब नवाज दरगाह शरीफ में सुबह 5 बजे दरगाह का 'जन्नती दरवाजा' खोला गया।

हवाई किराया बढ़ा सकती हैं एयरलाइंस

- बोलीं- मजबूरन लेना पड़ेगा फैसला
- एक्स्ट्रा-चार्ज ना लेने के सरकार के निर्देश का विरोध कर रहीं

नई दिल्ली. इंडिगो, एअर इंडिया और स्पाइस जेट ने फ्लाइट्स की 60% सीटों पर एक्स्ट्रा चार्ज न वसूलने के सरकार के फैसले विरोध किया है। एयरलाइंस का कहना है कि इस कदम से उन्हें अपनी खोई हुई कमाई की भरपाई के लिए हवाई किराया बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ेगा।

तीनों एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करने वाली फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (FIA) ने सिविल एविएशन मिनिस्ट्री से इस फैसले को वापस लेने का आग्रह किया है। फेडरेशन ने कहा... इस निर्देश से एयरलाइंस की वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित होगी। इसके परिणामस्वरूप सभी यात्रियों को, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं, जो शायद पहले से सीटें नहीं चुनना चाहते, उन्हें भी अधिक किराया देना पड़ेगा।

दरअसल, एविएशन मिनिस्ट्री ने बुधवार को भारत में हवाई यात्रा को ज्यादा सुविधाजनक बनाने के लिए नए नियम जारी किए थे। नए आदेश के मुताबिक एयरलाइंस की हर फ्लाइट में कम से कम 60% सीटें बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के बुक होंगी। ये निर्देश घरेलू फ्लाइट्स पर लागू होंगे।

देश में खुलेंगे 100 नए सैनिक स्कूल

- NCC का भी होगा विस्तार; राजनाथ सिंह का ऐलान

नैनीताल. देश की रक्षा तैयारियों और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी को नया आयाम देते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ी घोषणाएं की हैं। सैनिक स्कूल घोड़ाखाल के डायमंड जुबली समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने देश भर में 100 नए सैनिक स्कूल खोलने और एनसीसी (NCC) कैडेटों की संख्या में भारी बढ़ोतरी करने का ऐलान किया। रक्षा मंत्री ने युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति के मूल्यों को समाहित करने के उद्देश्य से नेशनल कैडेट कोर (NCC) के विस्तार की घोषणा की।

उन्होंने कहा, 'हमने एनसीसी में रिक्तियों की संख्या बढ़ा दी है। पहले जहां भर्ती का लक्ष्य 17 लाख (1.7 मिलियन) था, अब इसे बढ़ाकर 20 लाख (2 मिलियन) करने का निर्णय लिया गया है। इससे अधिक से अधिक बच्चों को राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक संस्कार सीखने का अवसर मिलेगा।'

घोड़ाखाल सैनिक स्कूल की गौरवशाली विरासत

समारोह के दौरान उन्होंने सैनिक स्कूल घोड़ाखाल की विरासत की सराहना की। उन्होंने गर्व के साथ बताया कि इस अकेले स्कूल ने अब तक 800 से अधिक छात्र नेशनल डिफेंस एकेडमी (NDA) को दिए हैं। इसके अलावा, सीडीएस (CDS) और एएफसीएटी (AFCAT) जैसे विभिन्न माध्यमों से 2,000 से अधिक कैडेट यहां से निकलकर देश की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने छात्रों की शैक्षणिक, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्टता की जमकर तारीफ की।

सैन्य उन्मुख शिक्षा के दायरे को बढ़ाते हुए राजनाथ सिंह ने बताया कि सरकार पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल के तहत देश में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने जा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये संस्थान न केवल रक्षा सेवाओं के लिए युवाओं को तैयार करते हैं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के लिए भी उन्हें सक्षम बनाते हैं।

रक्षा मंत्री ने सैनिक स्कूलों में लड़कियों के प्रवेश की अनुमति देने के सरकार के फैसले को ऐतिहासिक और क्रांतिकारी बताया। उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर करार देते हुए कहा कि महिला कैडेटों के प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि हमारी बेटियां हर क्षेत्र में बेटों के बराबर हैं।

अमेरिका ईरान के तहखानों से निकालकर लाएगा यूरेनियम ?

- खतरनाक कमांडो भेजने की तैयारी

वाशिंगटन. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ईरान के परमाणु मटेरियल को जब्त करने पर विचार-विमर्श शुरू कर दिया है। यह योजना अमेरिका-इजरायल के नेतृत्व वाले ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान के बीच आई है। यह युद्ध अब अनिश्चित चरण में प्रवेश कर चुका है। ट्रंप प्रशासन का फोकस ईरान के उच्च समृद्ध यूरेनियम के स्टॉकपाइल पर है, जो लगभग 440 किलोग्राम है।

इस संबंध में सीबीएस न्यूज ने शुक्रवार को सूत्रों के हवाले से एक बड़ी रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ईरान की परमाणु

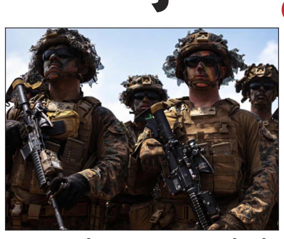

सामग्री को बाहर निकालने के विकल्पों और रणनीतियों पर काम कर रहा है। हालांकि इस संभावित ऑपरेशन का समय अभी स्पष्ट नहीं है और एक सूत्र के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। लेकिन, यह माना जा रहा है कि यदि ऐसा कोई अभियान होता है, तो इसमें अमेरिका की सबसे एलीट सैन्य टुकड़ी जॉइंट स्पेशल ऑपरेशंस कमांड (JSOC) के बलों को तैनात किया जा सकता है, जिसे अक्सर बेहद संवेदनशील और गुप्त अभियानों की जिम्मेदारी दी जाती है। इस टुकड़ी को दुनिया के खतरनाक कमांडों में एक माना जाता है।

संवर्धित यूरेनियम का भंडार: पिछली गर्मियों तक ईरान ने 60% तक संवर्धित यूरेनियम का लगभग 972 पाउंड हिस्सा इकट्ठा कर लिया था। यह स्तर हथियार बनाने योग्य परमाणु सामग्री से महज एक कदम दूर है।

मिडनाइट हैमर ऑपरेशन: इस यूरेनियम का बड़ा हिस्सा उन परमाणु ठिकानों के नीचे दबा हुआ है, जिन पर पिछले साल अमेरिका ने 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' के तहत बमबारी की थी।

CAPF विधेयक, अमित शाह RS में करेंगे पेश

- CRPF-BSF में क्या-क्या बदलेगा

नई दिल्ली. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार को राज्यसभा में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 पेश करेंगे जिसका उद्देश्य सीएपीएफ अधिकारियों की भर्ती, प्रतिनियुक्ति और पदोन्नति को विनियमित करना है। राज्यसभा द्वारा जारी कार्यसूची में यह जानकारी दी गई है। सभी सीएपीएफ -केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) - अपने-अपने अधिनियमों द्वारा संचालित होते हैं। इन अधिनियमों के तहत बने नियम सीएपीएफ में समूह 'ए' सामान्य ड्यूटी अधिकारियों तथा अन्य अधिकारियों और कर्मियों की भर्ती एवं सेवा शर्तों को नियंत्रित करते हैं।

सूत्रों के अनुसार, कार्यगत और परिचालन संबंधी आवश्यकताओं के विस्तार तथा समय के साथ विकसित हुए प्रत्येक सीएपीएफ के विशिष्ट संगठनात्मक ढांचे के कारण इस कानून की आवश्यकता पड़ी। उन्होंने कहा कि सीएपीएफ को नियंत्रित करने के लिए कोई एक कानून नहीं होने के कारण नियामक ढांचा बिखरे हुए तरीके से विकसित हुआ जिसके परिणामस्वरूप सेवा संबंधी मामलों पर मुकदमेबाजी होती है और कुछ कार्यात्मक एवं प्रशासनिक कठिनाइयां उत्पन्न होती हैं।

अमेरिका की ईरानी तेल खरीद पर 30 दिन की छूट

- ग्लोबल मार्केट में 14 करोड़ बैरल तेल आएगा
- भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रहेंगे

नई दिल्ली. ट्रम्प प्रशासन ने ईरानी तेल की खरीद पर प्रतिबंधों में 30 दिन की छूट दी है। ये छूट केवल समुद्र में मौजूद ईरानी तेल के टैंकरों की खरीद के लिए है। अमेरिकी ट्रेजरी मिनिस्टर स्कॉट बेसेंट ने इसकी घोषणा की। ट्रेजरी विभाग की वेबसाइट के मुताबिक यह छूट 20 मार्च से 19 अप्रैल के लिए है। ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई बढ़ाने और कीमतों को

रूसी तेल की खरीद पर दूसरी बार प्रतिबंध हटाया

ट्रम्प प्रशासन ने गुरुवार को एक नया 'जनरल लाइसेंस' जारी किया, जिसके तहत उन रूसी टैंकरों से तेल बेचने की इजाजत दी गई है जो 12 मार्च तक लोड हो चुके थे। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के मुताबिक, यह छूट 11 अप्रैल 2026 तक लागू रहेगी। नया लाइसेंस 12 मार्च को जारी किए गए पिछले 30 दिनों के 'सेंक्शंस वेवर' की जगह लेगा। पुराने लाइसेंस में कुछ तकनीकी स्पष्टता की कमी थी। नए लाइसेंस के जरिए उत्तर कोरिया, क्यूबा और क्रीमिया को इस छूट से बाहर कर दिया है।

काबू में रखने के लिए ऐसा किया गया है। अमेरिका-इजराइल की ईरान के साथ चल रही जंग की वजह से क्रूड की कीमतें 110 डॉलर के पार निकल गई है। 28 फरवरी को जंग शुरू होने से पहले ये 70 डॉलर के करीब थी।

स्कॉट बेसेंट ने कहा कि दुनिया के लिए इस मौजूदा सप्लाई को अस्थायी रूप से खोलकर ग्लोबल मार्केट में लगभग 14 करोड़ बैरल तेल तेजी से आएगा। इससे दुनियाभर में ऊर्जा की उपलब्धता बढ़ेगी और सप्लाई पर जो अस्थायी दबाव बना है, उसे कम करने में मदद मिलेगी।

IPL 2026 से बाहर हुए आकाश दीप

- KKR के पेसर इंजरी के कारण नहीं खेलेंगे
- मेगा ऑक्शन में एक करोड़ में खरीदा था

कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) को IPL 2026 से पहले एक और झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। शनिवार को क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज को फ्रेंचाइजी के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की।

29 साल के बंगाल के इस गेंदबाज को पिछले साल अबू धाबी में हुए मेगा ऑक्शन में 1 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर टीम ने खरीदा था। हालांकि, वह अब तक टीम कैंप से नहीं जुड़े हैं।

COE में रिहैब कर रहे

आकाश दीप बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (COE) में रिहैब कर रहे हैं। उनकी चोट किस तरह की है, यह साफ नहीं हो सका है, लेकिन मैनेजमेंट और फ्रेंचाइजी के बीच इसको लेकर बातचीत हुई है।

हर्षित राणा भी बाहर हुए

KKR के लिए यह चिंता बढ़ाने वाली खबर है, क्योंकि इससे पहले हर्षित राणा और मथीशा पथिराना को लेकर भी टीम को अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। पथिराना को अभी श्रीलंका क्रिकेट से क्लियरेंस मिलना बाकी है। टीम ने 18 मार्च से कोलकाता में कैंप शुरू किया है, लेकिन आकाश दीप इसमें शामिल नहीं हो पाए।

KKR को पथिराना के फिट होने की उम्मीद

श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना भी चोट के कारण फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि KKR उन्हें रिप्लेस नहीं करना चाहती क्योंकि फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि वे IPL के दौरान किसी समय टीम से जुड़ सकते हैं।

गौरक्षक साधु की मौत पर हंगामा, पथराव

- पुलिस की गाड़ियां तोड़ीं
- आरोप- गौतस्करों ने ट्रक से कुचला, पुलिस बोली- हादसा

मथुरा. मथुरा में गौरक्षक चंद्रशेखर बाबा (45) की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। वह फरसा वाले बाबा के नाम से मशहूर थे। घटना के बाद जमकर हंगामा हुआ। गुस्साए लोगों ने बाबा का शव रखकर हाईवे जाम कर दिया।

बाबा के एक साथी ने दावा किया- शनिवार तड़के बाबा 2 साथियों के साथ ट्रक का पीछा कर रहे थे। ट्रक में गौवंश होने की सूचना थी। ट्रक को ओवरटेक कर बाबा ने सामने बाइक खड़ी कर दी।

तभी अचानक ड्राइवर ने रफ्तार बढ़ा दी और बाबा को कुचलते हुए फरार हो गया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, पुलिस का कहना है कि शक के आधार पर बाबा एक ट्रक को रोककर चेकिंग कर रहे थे। सुबह कोहरा होने की वजह से पीछे से आ रहे ट्रक ने खड़े ट्रक को टक्कर मार दी। बाबा इसकी चपेट में आ गए। ट्रक चालक भी घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। DIG शैलेश पांडे ने साफ किया कि ट्रकों में कोई गोवंश नहीं था।

दरअसल, बाबा की मौत कोसीकलां के कोटवन थाना क्षेत्र में हुई। घटना की जानकारी इलाके में आग की तरह फैली। देखते-ही-देखते हजारों की भीड़ छाता थाना क्षेत्र में दिल्ली-मथुरा हाईवे पर जमा हो गई। उन्होंने बाबा का शव रखकर हाईवे जाम कर दिया। आरोपियों के एनकाउंटर की मांग करने लगे। शव कब्जे में लेने और जाम खुलवाने पहुंची पुलिस को लोगों ने खदेड़ दिया। पथराव भी किया, जिसमें कुछ पुलिसकर्मी लहूलुहान हो गए। लोगों ने पुलिस की 5 से 6 गाडियों में तोड़फोड़ की। शीशे तोड़ दिए। इस दौरान फायरिंग भी हुई। हालात बेकाबू होता देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। आंसू गैस के गोले छोड़े।

भारत बिना आमने-सामने की जंग की तैयारी कर रहा

- अनंत शस्त्र समेत 6 प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू
- सरकार इन पर 2.19 लाख करोड़ खर्च करेगी

नई दिल्ली. ईरान जंग के बीच भारत अब 'नॉन-कंटैक्ट वारफेयर' यानी बिना आमने-सामने आए लड़ी जाने वाली जंग के लिए खुद को तैयार कर रहा है। सरकार अपनी सैन्य शक्ति को भविष्य की जरूरतों के मुताबिक ढालने के लिए सबसे बेहतर रक्षा तकनीकों पर तेजी से काम कर रही है।

भारत ने न केवल 5th जेनरेशन (AMCA), बल्कि अब

आधिकारिक तौर पर 6th जेनरेशन के फाइटर जेट्स के डिजाइन पर भी काम शुरू कर दिया है। साथ ही स्वदेशी एस-400 (LRSAM) जैसी लंबी दूरी की मिसाइल सिक्योरिटी सिस्टम, ड्रोन को तबाह करने वाले 'अनंत शस्त्र' (QRSAM) पर भी युद्धस्तर पर काम शुरू हो चुका है।

उड़ते हुए कमांड सेंटर की तरह काम कर सकेगा '6th जेन' विमान

देश का रक्षा दृष्टिकोण अब 'नॉन-कॉन्टैक्ट वॉरफेयर' की चुनौतियों को देखते हुए आक्रामक और रक्षात्मक प्रौद्योगिकियों के बीच एक सटीक संतुलन बनाने पर केंद्रित है। भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अपनी क्षमताओं को साबित किया था। अब 5th जेनरेशन के विमानों और 6th जेनरेशन की सोच (जैसे हाइपरसोनिक स्पीड और सी4आईएसआर सिस्टम) के साथ भविष्य के युद्धक्षेत्र के लिए पूरी तरह तैयार है।

संसद में पेश की गई रक्षा समिति की रिपोर्ट्स में इसका खुलासा हुआ है। भारत फाइटर जेट्स के लिए शक्तिशाली स्वदेशी इंजन, नौसेना के लिए अभेद सुरक्षा कवच और AI व साइबर डिफेंस जैसे प्रोजेक्ट्स डेवलप कर रहा है। इसके अलावा अस्त्र, नाग और ध्रुवास्त्र जैसी मिसाइलों के मार्क-II वेरिएंट पर काम हो रहा है।

देश को मॉडर्न वॉरफेयर में सक्षम बनाने के लिए सरकार ने इसके लिए भारी-भरकम बजट का प्रावधान किया है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए डिफेंस इन्वेस्टमेंट में खर्च के लिए में 2,19,306.47 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

आम सूचना

मैं श्री शिवमंगल रामजीवन रावत सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, 216 चौ.फुट, खेमानी हाईस्कूल के पास, आजाद नगर, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 23बीओ017328800) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती इंदूदेवी राघव चौबे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 26.2.2026 सी.नं. 537 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री शिवमंगल रामजीवन रावत

आम सूचना

मैं श्री टिंकू अनंतलाल साहू सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, ग्राऊंड + 1ला माला, 251 चौ.फुट, बैरक नं. 575 के पास, पमनदास भाटिया के पास, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 19बीआय016302400) उक्त प्रॉपर्टी श्री ओमप्रकाश मोहनदास अछरा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 18.1.2025 सी.नं. 444 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री टिंकू अनंतलाल साहू

आम सूचना

मैं श्रीमती पुष्पादेवी माणिकचंद जैस्वाल सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, 210 चौ.फुट, सामने बैरक नं. 593, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 19बीओ017835400) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती जानकी श्रीरामछैल जैस्वार के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 7.2.2026 सी.नं. 307 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती पुष्पादेवी माणिकचंद जैस्वाल

संक्षेप...

4.27 लाख रुपये मूल्य का गांजा बरामद

एक व्यक्ति गिरफ्तार

भिवंडी. भिवंडी में 4.27 लाख रुपये मूल्य का गांजा रखने के आरोप में 46 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि भिवंडी पुलिस की अपराध शाखा इकाई ने बुधवार को मिथपाड़ा-संगमपाड़ा क्षेत्र के निवासी कुलदीप बच्चू सिंह को आठ किलोग्राम प्रतिबंधित सामग्री के साथ गिरफ्तार किया।

उन्होंने बताया कि जब्त किए गए गांजे की कीमत 4.27 लाख रुपये है और उत्तर प्रदेश के रहने वाले आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

महाराष्ट्र ज्योतिषी रेप केस में महिला आयोग अध्यक्ष चाकणकर का इस्तीफा

- विपक्ष का आरोपी से तांत्रिक क्रिया कराने का आरोप
- दावा- अनुष्ठान में तीसरी उंगली काटी

मुंबई. रेप के आरोपी ज्योतिषी अशोक खरात मामले में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने शुक्रवार देर रात इस्तीफा दे दिया। विपक्ष ने चाकणकर पर आरोपी खरात से संबंध के आरोप लगाए थे। इसके बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष का इस्तीफा मांगा था।

शिवसेना (UBT) की प्रवक्ता सुषमा अंधारे ने दावा किया है कि खरात के प्रभाव में आकर चाकणकर ने तांत्रिक अनुष्ठान के लिए अपनी अनामिका या तीसरी उंगली काट ली थी। अंधारे ने ऐसी तस्वीरें भी दिखाईं जिनमें चाकणकर की तीसरी उंगली पर पट्टी बंधी हुई दिख रही है।

दरअसल, महाराष्ट्र के नासिक में एक 35 साल की महिला से बार-बार रेप और ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस ने बुधवार को खरात (67) को गिरफ्तार किया था। पुलिस के मुताबिक, ज्योतिषी कई महिलाओं का यौन उत्पीड़न कर चुका है।

चाकणकर ने SIT बनाने की मांग की थी

इससे पहले, चाकणकर ने पुलिस महानिदेशक सदानंद दाते को एक पत्र लिखकर मांग की थी कि खरात के खिलाफ स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) का गठन किया जाए। SIT को रेप और यौन शोषण के आरोपों की जांच के आदेश देने की मांग की गई थी।

लेकिन विपक्ष ने आरोप लगाया कि चाकणकर के खरात के साथ अच्छे रिश्ते हैं। इसलिए चाकणकर को तत्काल पद से हटाया जाए। सुषमा अंधारे ने आरोप लगाया कि खरात आध्यात्मिक अनुष्ठानों की आड़ में महिलाओं का यौन शोषण करने के साथ-साथ वित्तीय धोखाधड़ी और जमीन हड़पने के मामलों में भी शामिल था।

पीड़ित का आरोप- भविष्यवाणियों से डराता, धमकी देता था

FIR दर्ज कराने वाली एक महिला का आरोप है ज्योतिषी ने नवंबर 2022 से दिसंबर 2025 के बीच कई बार यौन शोषण किया। पीड़िता का आरोप है कि पूजा-पाठ के बहाने ज्योतिषी उसे नासिक के कनाडा कॉर्नर इलाके स्थित अपने ऑफिस में बुलाता था।

FIR के अनुसार, ज्योतिषी महिला से कहता था कि उसकी भविष्यवाणी के अनुसार उसके पति की जान को खतरा है। इसके बाद वह महिला को नशीला पेय पिलाकर उसके साथ रेप करता था। पुलिस ने बताया कि वह महिला को अपनी भविष्यवाणियों और धमकियों के जरिए डराता भी था।

पुलिस ने आरोपी को उसके बेडरूम से गिरफ्तार किया

नासिक पुलिस ने बुधवार को खरात की गिरफ्तारी के लिए एक सीक्रेट ऑपरेशन चलाया था। रात के अंधेरे में पुलिस ने आरोपी के घर के बाहर चोर-चोर चिल्लाकर अफरा-तफरी का माहौल बनाया। इसी बहाने टीम घर के अंदर पहुंची और आरोपी को उसके बेडरूम से गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी के दौरान खरात के फार्महाउस से एक पिस्टल, जिंदा कारतूस और इस्तेमाल किए गए कारतूस भी बरामद हुए। मिरगांव स्थित मंदिर और आश्रम में भी तलाशी ली गई, जहां कई संदिग्ध दस्तावेज मिले। पुलिस के मुताबिक महाराष्ट्र में उसकी कई संपत्तियां भी जांच के दायरे में आ गई हैं।

खरात के राजनीतिक संबंध दिल्ली से महाराष्ट्र तक फैले

खरात नासिक जिले के सिन्नर तालुका के मिरगांव स्थित श्री ईशनेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट का चेयरमैन है। वहां उसका एक आलीशान फार्महाउस है, जहां कई प्रभावशाली लोग आते-जाते थे। आरोपी नासिक के कनाडा कॉर्नर इलाके में 'ओकस प्रॉपर्टी डीलर्स एंड डेवलपर्स' नाम से ऑफिस चलाता था। आरोप है कि वहां असल में आपराधिक गतिविधियां होती थीं। उसने खुद को समाज में एक शक्तिशाली और सिद्ध ज्योतिषी के रूप में स्थापित कर लिया था। कहा जाता है कि उसके राजनीतिक संबंध दिल्ली से लेकर महाराष्ट्र की सत्ता तक फैले हुए थे।

भिवंडी में रेती माफिया के खिलाफ बड़ा एक्शन

- 90 लाख रुपये की मशीनरी नष्ट की गई

भिवंडी. भिवंडी में अवैध रेत खनन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है. भिवंडी तालुका के केवानी क्रीक इलाके में चल रहे इस अवैध कारोबार पर शिकंजा कसते हुए करीब 80 से 90 लाख रुपये की मशीनरी और उपकरण नष्ट कर दिए गए. इस कार्रवाई के बाद खनन माफिया में हड़कंप मच गया है. एजेंसी के अनुसार, राजस्व विभाग ने शुक्रवार को एक सूचना के आधार पर एक्शन लिया. प्रशासन को जानकारी मिली थी कि केवानी सैंड पोर्ट इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध तरीके से रेत का खनन और भंडारण हो रहा है. इसके बाद जिला प्रशासन ने टीम बनाकर छापेमारी की. यह अभियान कलेक्टर श्रीकृष्ण पांचाल के नेतृत्व में चलाया गया. राजस्व विभाग की टीम ने इलाके में पहुंचकर अवैध खनन में इस्तेमाल किए जा रहे उपकरणों को नष्ट करना शुरू किया. इनमें पांच सक्शन यूनिट्स और आठ बार्ज (नाव जैसी मशीनें) को ध्वस्त कर दिया गया. कुछ मशीनों को आग के हवाले कर दिया गया, जबकि बार्ज को क्रीक में डुबो दिया गया.

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि खनन माफिया ने क्रीक के किनारे 12 बड़े स्टोरेज टैंक बना रखे थे, जिनमें अवैध रूप से निकाली गई रेत को जमा किया जाता था. इन टैंकों को भी मशीनों की मदद से पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया.

अधिकारियों के अनुसार, जिस जमीन पर यह अवैध गतिविधियां चल रही थीं, वह रिजर्व फॉरेस्ट की कैटेगरी में है. यह न केवल अवैध खनन है, बल्कि वन क्षेत्र का अतिक्रमण और पर्यावरणीय नियमों का उल्लंघन भी है. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में वन विभाग द्वारा भी सख्त कार्रवाई की जाएगी. इस दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भिवंडी ग्रामीण पुलिस स्टेशन के जवानों को मौके पर तैनात किया गया था.

जिला प्रशासन का कहना है कि पिछले कुछ महीनों से अवैध रेत खनन के खिलाफ अभियान तेज किया गया है. इससे पहले भी कई मामलों में उपकरण जब्त किए गए हैं और आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं. इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और किसी भी कीमत पर अवैध खनन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. फिलहाल इस मामले में आगे की जांच जारी है और संबंधित लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है.

रेमंड के मालिक गौतम सिंघानिया की मालदीव में बोट पलटी

- इलाज के लिए मुंबई एयरलिफ्ट किए गए
- हादसे में 2 भारतीय लापता

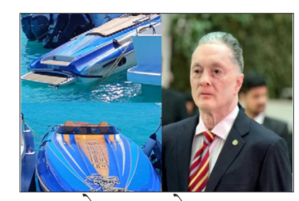

मुंबई. रेमंड ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर गौतम सिंघानिया मालदीव में स्पीडबोट पलटने से घायल हो गए हैं। उन्हें इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर मुंबई लाया गया है, जहां वे फिलहाल डॉक्टरों की देखरेख में हैं। उनके प्रवक्ता ने बताया, 'गौतम सिंघानिया को एक हादसे में मामूली चोटें आई हैं. वो मुंबई में पूरी देखभाल के साथ ठीक हो रहे हैं.'

उनके साथ बोट पर सवार भारत के दिग्गज रैली ड्राइवर हरि सिंह और उनके एक अन्य दोस्त अब भी लापता हैं। स्थानीय प्रशासन को अंदेशा है कि लंबा समय बीत जाने के कारण उनकी जान जा सकती है। यह घटना गुरुवार रात करीब 11 बजे मालदीव के फेलिधू एटोल के पास हुई।

कोस्ट गार्ड के मुताबिक, हादसा तट से करीब 2 नॉटिकल मील दूर हुआ। स्पीडबोट पर एक कैप्टन और गौतम सिंघानिया समेत कुल 7 लोग सवार थे। इनमें 5 भारतीय, एक ब्रिटिश और एक रूसी नागरिक शामिल थे। रेस्क्यू टीम लापता भारतियों को खोजने की कोशिश कर रही है।

इंडियन नेशनल रैली में 5 बार के चैंपियन रहे हैं हरि सिंह

गौतम सिंघानिया और हरि सिंह दोनों एडवेंचर स्पोर्ट्स के शौकीन हैं। सिंघानिया खुद एक प्रोफेशनल रेसर हैं। हरि सिंह, गौतम सिंघानिया के भी बेहद करीबी दोस्त और उनके मोटरस्पोर्ट्स से जुड़े प्रोजेक्ट्स में सलाहकार रहे हैं।

सरकारी ज़मीन पर अनधिकृत बांधकाम को रेगुलर करने के लिए आंदोलन

- राजस्व विभाग से पॉजिटिव जवाब
- विधायक के फॉलो-अप से 20 हज़ार लोगों को राहत मिलेगी

ठाणे. पातलीपाड़ा-डोंगरीपाड़ा में सरकारी ज़मीन पर 50 से 60 साल पुराने अनिधिकृत बांधकाम को रेगुलर करने के लिए आंदोलन शुरू हो गए हैं।

राजस्व मंत्री और जिलाधिकारी के पॉजिटिव जवाब से करीब 20 हज़ार लोगों को राहत मिलेगी ।विधायक संजय केलकर ने इस बारे में अधिवेशन में आवाज़ उठाई थी और राजस्व मंत्री और जिलाधिकारी से फॉलो-अप किया था ।विधायक संजय केलकर ने खोपट में भाजपा कार्यालय में हुए जनसेवक जनसंवाद प्रोग्राम में पत्रकार रों को यह जानकारी दी। पातलीपाड़ा-डोंगरीपाड़ा में करीब चार हज़ार परिवार पिछले 50 से 60 सालों से सरकारी ज़मीन पर रह रहे हैं और वे ग्राम पंचायत के समय से लेकर आज तक टैक्स देते आ रहे है ।मनपा ने भी उन्हें कई तरह की सुविधाएं दी हैं। लेकिन, इन परिवारों को तब झटका लगा जब जिला एडमिनिस्ट्रेशन ने अचानक उनके घर खाली करने का नोटिस जारी कर दिया, यह कहते हुए कि उनके पास सरकारी प्लॉट हैं। इस बारे में विधायक संजय केलकर को अपनी शिकायत बताने के बाद अधिवेशन में आवाज़ उठाई और मांग की कि इन बांधकाम को सेक्शन 51 के नियमों के हिसाब से बनाया जाए।

देवी के चरणों में आगरी-कोली संस्कृति का जश्न

ठाणे. शहर स्थित कोपरी में संत तुकाराम मैदान में चल रहे चैत्र नवरात्रि उत्सव में शुक्रवार को लोक परंपरा के अनोखे रंग देखने को मिले। धर्मवीर आनंद दिघे प्रतिष्ठान और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा आयोजित चैत्र नवरात्रि उत्सव में आगरी-कोली संस्कृति श्री अंबे माता के चरणों में आ गई।

अविनाश कबाड़ी, शशांक पाटिल और पूर्णिमा काकड़े जैसे मशहूर कलाकारों द्वारा पेश किए गए शानदार गीत-संगीत-नृत्य कार्यक्रम 'आगरी कोली बाना' ने भक्तों को पारंपरिक मंच पर नाचने पर मजबूर कर दिया। इस मौके पर अभिनेत्री वर्षा उसगांवकर खास मेहमान थीं। नारली पूर्णिमा से लेकर कोलीवाड़ा में 21 दिन तक चलने वाले गणेशोत्सव तक के अलग-अलग फेस्टिवल में पॉपुलर गानों को गानों के जरिए बताया गया। 1970 और 80 के दशक के पॉपुलर गानों जैसे 'मी डोलकर...' की परफॉर्मेंस से माहौल भर गया। सुशील कुमार ने शानदार स्टाइल में प्रोग्राम पेश करते हुए फेस्टिवल और त्योहारों की अहमियत के साथ-साथ साढ़े तीन शक्ति पीठों की महिमा को भी दर्शकों के सामने अच्छे से बताया।

कुल मिलाकर, चैत्र नवरात्रि के त्योहार के दौरान आगरी-कोली परंपरा की शुरुआत ने सांस्कृतिक ऊर्जा और खुशी बिखेरी। इससे पहले अभिनेत्री वर्षा उसगांवकर और अभिनेता मंगेश देसाई ने सागर के संगीत के साथ देवी की महाआरती की। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे,लता शिंदे,सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे, मेयर शर्मिला पिंपलोलकर, शिवसेना सेक्रेटरी संजय मोरे, एडिशनल कमिश्नर संदीप मालवी, शिवसेना कल्याण डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट गोपाल लांडगे, प्रकाश कोटवानी के साथ-साथ शिवसेना के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

ठाणे में श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ

ठाणे। ठाणे में श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया है। जिसमें बड़ी संख्या में भक्त का इस धार्मिक अनुष्ठान में सहभागी होकर आनन्द उठा रहे हैं। ठाणे पश्चिम के मनोरमा नगर में कुणवी लेवा पाटीदार चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 22 मार्च चलेगा। श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ आयोजन समाजसेवी गोपी सेमलेटी अपने स्व. सूर्य मनी समेलटी की याद में किया है। 16 मार्च से चल रहे श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में भागीदारी देखने को मिल रही है। इस 7 दिवसीय भागवत कथा का वाचन प्रसिद्ध कथा वाचक वासुदेव भट्ट शास्त्री जी द्वारा किया जा रहा है।

आम सूचना

हम श्री मुन्ना शिवशंकर पाल व श्री अनुराग सुरेश पाल सभी को सूचित कर रहे हैं कि हाऊस, ग्राऊंड + 1ला माला, शिवाजी रोड पर दुकान के पीछे, 260 चौ.फुट, उल्हासनगर- 1 (टैक्स नं. 09एओ014889900) उक्त प्रॉपर्टी श्री शिवशंकर झूल्ला पाल के नाम पर है। उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 28.2.2026 सी.नं. 421 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मुन्ना शिवशंकर पाल व श्री अनुराग सुरेश पाल

रश्मिका मंदाना को बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड

- शादी के बाद पहली बार स्टेज पर दिखीं एक्ट्रेस
- बोलीं- पहले काम का मजाक उड़ाया, अब सम्मान मिला

साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने 'तेलंगाना गदर फिल्म अवॉर्ड्स 2025' में बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड अपने नाम किया है। 26 फरवरी को विजय देवरकोंडा के साथ शादी के बंधन में बंधने के बाद यह रश्मिका का पहला बड़ा पब्लिक अपीयरेंस था। इस मौके पर वे अपनी सास माधवी देवरकोंडा के साथ नजर आईं। अवॉर्ड समारोह का आयोजन 19 मार्च को 'उगादि' के मौके पर किया गया, जिसमें तेलुगु सिनेमा के कई बड़े सेलेब्स ने शिरकत की। रश्मिका मंदाना को उनकी फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' में 'भूमा देवी' के किरदार के लिए बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया। एक्टर राम चरण ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की मौजूदगी में रश्मिका को यह ट्रॉफी सौंपी। शादी के बाद यह रश्मिका का पहला बड़ा अवॉर्ड है।

साड़ी और सिंदूर के साथ मंच पर दिखीं रश्मिका

स्टेज पर अवॉर्ड लेते समय रश्मिका काफी भावुक नजर आईं। उन्होंने अपनी स्पीच में संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कहा, शुरुआत में लोगों ने मेरी परफॉर्मेंस को काफी ट्रोल किया था, लेकिन आज उसी काम के लिए राज्य ने मुझे यह अवॉर्ड दिया है। मैंने यहां तक पहुंचने के लिए एक लंबा सफर तय किया है। रेड कार्पेट पर रश्मिका अपनी सास माधवी देवरकोंडा के साथ पहुंची थीं। रश्मिका आइवरी कलर की सिल्क साड़ी पहनी थी। उन्होंने मांग में सिंदूर, गले में गोल्ड मंगलसूत्र और बालों में गजरा लगाकर अपना ट्रेडिशनल लुक पूरा किया था।

7 कुत्तों की जहर से मौत

कल्याण. कल्याण के धामटण गांव में आवारा कुत्तों को जहर देकर मारने का मामला सामने आया है। एक महिला की शिकायत पर मानपाडा पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद इलाके में तनाव है और आवारा कुत्तों का मुद्दा फिर गरमा गया है। पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता सुचित्रा किशोर सुर्वे पिछले दो साल से एकलव्य कारखाना परिसर में रह रही हैं और 2021 से वहां के आवारा कुत्तों को खाना खिला रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि 12 मार्च से पड़ोस में रहने वाले वीरेंद्र कुमार निषाद, उनके भाई और कुछ कामगारों ने इलाके में चूहा मारने की जहरीली पाउडर डालना शुरू किया। महिला के अनुसार, इस पाउडर को खाने से पहले 4 कुत्तों की मौत हुई, फिर 3 और कुत्तों ने दम तोड़ दिया। इस तरह कुल 7 कुत्तों की मौत हो गई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि इससे पहले भी इसी तरह कुल 36 आवारा और पालतू कुत्तों को मारा गया है।

महिला ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने धमकी देते हुए कहा, हम कुत्तों को मारेंगे ही, तुम्हारे पालतू कुत्ते को भी मार देंगे। साथ ही महिला और उनके पति को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।

इस मामले में मानपाडा पुलिस ने वीरेंद्र निषाद, उनके भाई और कुछ कामगारों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 325 के तहत मामला दर्ज किया है।

फरार शातिर आरोपी गिरफ्तार

ठाणे. ठाणे पुलिस की एंटी-एक्सटॉर्शन स्क्वाड ने हत्या की कोशिश मामले में फरार एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है.आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसे श्रीनगर पुलिस स्टेशन को सुपुर्द कर दिया गया.

बताया गया कि भिवंडी के नारपोली पुलिस स्टेशन क्षेत्र में जानलेवा हमला हुआ था.इस मामले में आरोपी अभिमन्यु नरसु पाटिल उम्र 30 साल निवासी आज़ादनगर कोलशेत रोड फरार था जिसकी तलाश पुलिस कर रही थी. एंटी-एक्सटॉर्शन स्क्वाड के पुलिस कर्मी शैलेश शिंदे को मुखबिरों से फरार आरोपी के बारे में सूचना मिली.

CHANGE OF NAME

I Declare My Old Name is
MURLIDHAR SURESHLAL JESWANI
to New Name
MURLIDHAR SURESH JESWANI .
In Maharashtra Govt. Gazette no. (M-25480028)
So All Public now call me
MURLIDHAR SURESH JESWANI.

Add. Near 24/C, School, Opp Kundan Cottage, Barrack No. 86, Room No.10, Ulhasnagar- 421001

आम सूचना

मैं श्रीमती सुनिता लक्ष्मण पवार सभी को सूचित कर रही हूं कि प्रार्प्टी अपर का भाग, 260 चौ.फुट, बैरक नं. 173 के पीछे, साधुबेला स्कूल के पास, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 06एओ022199600) उक्त प्रॉपर्टी मिस रेश्मा सुरेशलाल वाटवाणी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 26.2.2026 सी.नं. 543 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुनिता लक्ष्मण पवार

आम सूचना

मैं श्रीमती उमा बालू घोड़े सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, 180 चौ.फुट, गरीब नगर, एसईएस स्कूल के पास, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 25बीओ0172019100(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती आशाबाई भैरवनाथ घोड़े के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 28.2.2026 सी.नं. 418 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती उमा बालू घोड़े

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099